सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

प्रधान संपादकः रतन प्रकाश सिंह

www.swarajindianews.com swarajindianews swarajindianews

स्वराज इंडिया

दैनिक सांध्यकालीन

कानपुर, मंगलवार, 01 अप्रैल, 2025
वर्षः 02, अंकः 95, पृष्ठः 8+4, मूल्यः ₹ 2/-

सीएम योगी ने स्कूल चलो अभियान का किया शुभारंभ, प्रदेश को 2554 एंबुलेंस की सौगात

» Pg12

इनसाइड बैंक कर्मियों की लापरवाही, वसूली रकम की जगह लिखा... » Pg04

दुष्कर्म केस में मोहाली कोर्ट का बड़ा फैसला

येशु-येशु वाले पादरी बजिंदर को उम्रकैद

सात साल बाद मिला इंसाफ, कई बार हुआ था जमानत पर रिहा, फैसला सुन पीड़िता हुई बेहोश

» विशेष संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

मोहाली। पंजाब के चर्चित येशु-येशु वाले पादरी बजिंदर सिंह को आज मोहाली की एक अदालत ने 2018 के जीरकपुर रेप कांड में ताउम्र कारावास की सजा सुनाई है। स्वयंभू पादरी बजिंदर सिंह, जो अपने चमत्कारी उपचार और प्रार्थना सभाओं के लिए मशहूर थे, को पिछले हफ्ते इस मामले में दोषी ठहराया गया था। अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश (एडीएसजे) विक्रांत गुप्ता ने सजा का ऐलान करते हुए कहा कि एक धार्मिक नेता के रूप में खुद को पेश करने वाला व्यक्ति इस तरह का जघन्य अपराध नहीं कर सकता, खासकर उन लोगों के खिलाफ जो उस पर आस्था रखते हैं। इस फैसले ने न केवल पीड़िता को न्याय दिलाया, बल्कि उन तमाम लोगों को राहत दी, जिन्होंने बजिंदर के खिलाफ अपनी आवाज उठाई थी।

यह मामला 2018 का है, जब जीरकपुर की एक महिला ने बजिंदर सिंह के खिलाफ शिकायत दर्ज की थी। महिला ने आरोप लगाया था कि बजिंदर ने उसे विदेश भेजने का लालच देकर अपने मोहाली के सेक्टर 63 स्थित आवास पर बुलाया और वहां उसके साथ बलात्कार किया। इतना ही नहीं, उसने इस घटना का एक अश्लील वीडियो भी बनाया और धमकी दी कि अगर उसने उसकी मांगें नहीं मानीं, तो वह वीडियो सोशल मीडिया पर डाल देगा। पीड़िता ने बताया कि वह डर के मारे चुप रही, लेकिन आखिरकार उसने हिम्मत जुटाकर अप्रैल 2018 में जीरकपुर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज की। इसके बाद बजिंदर के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 376 (बलात्कार), 323, और 506 के तहत मामला दर्ज किया गया।

इस मामले की सुनवाई सात साल तक चली, जिसमें कई बार बजिंदर को जमानत पर रिहा किया गया था। हालांकि, मार्च 2025 में मोहाली कोर्ट ने उनके खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया था, जिसके बाद उन्हें पटियाला जेल में रखा गया। 28 मार्च को कोर्ट ने उन्हें दोषी करार दिया, और आज, 1 अप्रैल 2025 को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि यह सजा ताउम्र कैद है, यानी बजिंदर को मृत्यु तक जेल में रहना होगा, बिना किसी पैरोल या रिहाई की संभावना के। अन्य पांच आरोपियों–पादरी जतिंदर, अकबर, सत्तार अली, और संदीप पहलवान–को सबूतों के अभाव में बरी कर दिया गया।

कई अन्य लड़कियों को मिला इंसाफ

फैसले के बाद पीड़िता ने कहा, बजिंदर एक साइको है। अगर वह जेल से बाहर आया, तो फिर वही अपराध करेगा। आज मेरे साथ-साथ कई लड़कियों को इंसाफ मिला है। मैं अनुरोध करती हूं कि हमारी सुरक्षा सुनिश्चित करें, क्योंकि हमें हमले का खतरा है। पीड़िता ने यह भी बताया कि सुनवाई के दौरान उसे और उसके परिवार को धमकियां मिली थीं, और कई बार उसे बयान वापस लेने के लिए दबाव डाला गया था।

42 वर्षीय बजिंदर सिंह हरियाणा के यमुनानगर जिले से ताल्लुक रखते हैं और मूल रूप से एक हिंदू जाट परिवार से हैं। 2000 के दशक में वह एक हत्या के मामले में जेल गए थे, जहां उनकी मुलाकात एक नेपाली कैदी, पादरी शंकर से हुई, जिसने उन्हें ईसाई धर्म में परिवर्तित कर दिया। 2012 में जेल से बाहर आने के बाद, बजिंदर ने चमत्कारी उपचार और प्रार्थना सभाओं के जरिए अपनी पहचान बनाई।

और भी हैं विवाद-आरोप

बजिंदर का यह पहला विवाद नहीं है। फरवरी 2025 में, कपूरथला में एक 22 वर्षीय महिला ने यौन उत्पीड़न और पीछा करने का मामला दर्ज किया था। इसके अलावा, हाल ही में एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें बजिंदर को एक महिला और पुरुष को थप्पड़ मारते और गाली-गलौज करते देखा गया था। इस घटना के बाद खरार की रंजीत कौर ने शिकायत दर्ज की थी। इसके अलावा, 2022 में दिल्ली के एक परिवार ने आरोप लगाया था कि बजिंदर ने उनकी बेटी की बीमारी ठीक करने का वादा करके उनसे पैसे लिए, लेकिन उनकी बेटी की मृत्यु हो गई।

समर्थकों के विरोध पर पुलिस ने दिखाई सख्ती

फैसले के दौरान मोहाली कोर्ट परिसर में भारी पुलिस बल तैनात किया गया था, क्योंकि बजिंदर के समर्थकों ने उनके पक्ष में बड़े पैमाने पर प्रदर्शन किए थे। समर्थकों का दावा था कि पीड़िता ने झूठा बयान दिया है और बजिंदर निर्दोष हैं। हालांकि, कोर्ट ने इन दावों को खारिज कर दिया और सबूतों के आधार पर सजा सुनाई।

बनासकांठा में पटाखा फैक्ट्री में धमाके के बाद भीषण आग

18 मजदूरों की जलकर दर्दनाक मौत, स्लैब भी ध्वस्त

» अहमदाबाद, एजेंसी।

गुजरात के बनासकांठा जिले में मंगलवार को एक पटाखा फैक्ट्री में आग लगने से 18 लोगों की मौत हो गई। हादसे में चार अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि आग लगने के बाद कई विस्फोट हुए। इस वजह से डीसा कस्बे के पास स्थित फैक्ट्री के कुछ हिस्से ढह गए। मलबे में कई श्रमिकों के फंसे होने की आशंका जताई जा रही है।

डीसा ग्रामीण पुलिस थाने के निरीक्षक विजय चौधरी ने बताया कि डीसा नगर पालिका के अग्निशमनकर्मी मलबे में फंसे श्रमिकों को बचाने की कोशिश कर रहे हैं। घटनास्थल बचाव कार्य में कोई कोताही नहीं बरती जा रही है। इससे पहले जिला प्रशासन के एक अधिकारी ने बताया था कि तीन लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। छह अन्य घायलों को इलाज के लिए सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बनासकांठा कलेक्टर मिहिर पटेल ने बताया, आज सुबह हमें डीसा के औद्योगिक क्षेत्र में एक बड़े विस्फोट की सूचना मिली। अग्निशमन विभाग ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। उन्होंने तब घटना स्थल पर सात श्रमिकों की मौत की बात कही थी। हालांकि, अब यह आंकड़ा बढ़कर 18 हो गया है। घायल श्रमिकों को अलग-अलग अस्पतालों में रेफर किया गया है। विस्फोट इतना जबरदस्त था कि फैक्ट्री का स्लैब ढह गया। हम मलबे में दबे किसी भी व्यक्ति को बचाने के लिए तलाशी अभियान चला रहे हैं।

नोएडा के एक शॉपिंग कॉम्पलेक्स में लगी भीषण आग, ऊपर से कूदे लोग

नोएडा, एजेंसी। नोएडा के सेक्टर 18 स्थित कृष्णा अपरा प्लाजा मार्केट में एक दुकान में मंगलवार दोपहर भयंकर आग लग गई। आग लगते ही मार्केट के आसपास अफरा-तफरी मच गई और सैकड़ों की संख्या में लोग बाहर निकल आए। आग लगने और धुआं भरने के बाद मार्केट से कई लोग नीचे कूद गए और इसमें कुछ चोटिल भी हो गए। अग्निशमन विभाग की टीम रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर मार्केट के अंदर फंसे हुए लोगों को बाहर निकलने का प्रयास कर रही है।

जानकारी के मुताबिक, आग मार्केट के ग्राउंड फ्लोर की एक दुकान में लगी है। आग लगने के बाद दुकान से आग की तेज लपटें और धुआं निकलने लगा। आग लगने की सूचना के बाद मौके पर दमकल कर्मियों की टीम पहुंच गई और आग को बुझाने का काम जारी है।

मेगा स्वास्थ्य शिविर में डॉक्टर्स ने किडनी सुरक्षा पर चेताया

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। बिना डाक्टर की सलाह दवाइयों का सेवन लोगों की किडनी पर अटैक को आमंत्रण है। इसी के साथ असंतुलित जीवन शैली लोगों की सेहत पर भरी पड़ रही है।गर्मी से राहत के लिए केमिकलयुक्त ड्रिंक शरीर में ज़हर घोल रहीं है यह बात पब्लिक वेलफेयर एसोसिएशन, उत्तर प्रदेश (पीडब्ल्यूए) और उजाला सिजनेस कुलवंती अस्पताल के सयुंक्त मेगा स्वास्थ्य शिविर में डॉक्टर्स ने बताई। रविवार को आईआईटी नानकारी के प्रधान गेट स्थित नालंदा हाउस में मेगा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा जांच शिविर का आयोजन किया गया। प्रातः 10 बजे से 3 बजे तक चले इस मेगा स्वास्थ्य शिविर में कुल 139 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया।

» पीडब्ल्यूए और उजाला सिग्नेस कुलवंती अस्पताल का सयुंक्त कैंप लगाया गया

» गर्मी में राहत के लिए पी रहे केमिकल युक्त ड्रिंक शरीर में घोल रहे ज़हर

» असंतुलित जीवन शैली, और पानी की कमी लोगों के गुर्दे प्रभावित कर रही बिना डाक्टर की सलाह मनमर्ज़ी दवाइयों सेवन किडनी पर अटैक को आमंत्रण

जिसमें गंभीर रोग के अंदेशे पर 78 मरीज़ों के रक्त और यूरिन जांच के लिए सैम्पल लिए गए। वहीं रक्त शर्करा, ब्लड प्रेशर, और शरीर ताप व ऑक्सीजन मात्रा की जांच शिविर स्थल पर तत्काल की गई और उपचार के लिए उचित परामर्श दिया गया। वरिष्ठ नेफ्रोलॉजी चिकित्सक डॉ. युवराज गुलाटी ने कहा कि युवाओं की असंतुलित जीवन शैली और केमिकल युक्त विषैले पदार्थों का सेवन उनके गुर्दे पर आघात का कारक बन रहा है। वहीं लोगों में हल्की शारीरिक समस्या पर बेहिसाब एंटीबायोटिक दवाओं का सेवन किडनी डेमेज का कारण बन रहा है। पीडब्ल्यूए महासचिव पंकज कुमार सिंह ने बताया कि लोकहित में स्वास्थ्य एवं चिकित्सा जांच शिविर पूर्णतया निःशुल्क रहा है।

डॉक्टर युवराज गुलाटी की अगुवाई में डॉक्टर नलिन कॉल, डॉक्टर इरफ़ान मौजूद रहे।अमित मोहन शुक्ल, दीपा गोस्वामी, उमाशंकर गिरी, उत्तम गोस्वामी, मूलचंद, सुरेश सिंह यादव, लल्ली यादव, जयलाल पाल, हर्ष तिवारी, सरिता, रेनू आदि रहे । डॉक्टर पवन कुमार आदर्श व विपिन पटेल ने पेशेंट फेसिलिटेशन व कोर्डिनेशन उपलब्ध कराया। नालंदा हाउस नानकारी में समाज के गरीब, वंचितों के लिए समर्पित पीडब्ल्यूए के निःशुल्क मेगा स्वास्थ्य शिविर का उद्घाटन फल विक्रेता उमाशंकर गिरी ने किया। उमाशंकर आर्थिक रूप से कमज़ोर है और फल की दुकान लगाकर गुज़र बसर करते हैं। मुख्य अतिथि के रूप में उमाशंकर गिरी ने शिविर का उद्घाटन दीप प्रज्ज़वालित कर किया। डॉक्टर्स ने उन्हें माला पहनाकर और शॉल भेंट कर सम्मानित किया। सम्मान पाकर उमाशंकर गौरवान्वित महसूस किये। किडनी रोग सार्वजनिक स्वास्थ्य चिंता का विषय एक अध्यन के मुताबिक दुनिया भर में लगभग 85 करोड़ लोगों को किडनी से सम्बंधित समस्या है,

और अकेले भारत में लगभग 10 करोड़ लोगों को क्रोनिक किडनी रोग है।इसी कड़ी में हर साल लगभग तीन लाख मरीज किडनी की बीमारी के अंतिम चरण में पहुंच जाते हैं,जो व्यक्ति के जीवन को खतरे का सबब बनता है. खासकर डायबिटीज और हाई बीपी से प्रभावित लोगों की बढ़ती संख्या के कारण किडनी की बीमारी बढ़ रही है. किडनी रोग एक सार्वजनिक स्वास्थ्य चिंता का विषय है, अध्ययन के मुताबिक 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों में इसका प्रचलन 11.2न्न (2011–2017) से बढ़कर 16.38न्न (2018–2023) हो गया है।

वित्तीय वर्ष के अंतिम दिन, 345.85 करोड़ रुपये के बिल पास

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। वित्तीय वर्ष के अंतिम दिन 345.85 करोड़ रुपये के बिल पास किए गए। इसमें ज्यादातर विभागों के बजट के बिल रात आठ बजे तक आ गए हैं। पिछले वर्ष की भांति इस बार भी किसी भी विभाग का बजट लैप्स नहीं हुआ है। हालांकि पिछले वर्ष की तुलना में एक दिन में तीन गुना बजट के बिल पास किए गए हैं। पिछले वित्तीय वर्ष के अंतिम दिन 120 करोड़ रुपये के बिल पास हुए थे। इस साल अकेले मार्च माह में 3326.93 करोड़ रुपये के बिलों का भुगतान किया गया है। मुख्य कोषागार अधिकारी विनोद कुमार ने बताया कि मार्च के आखिरी दिन विभिन्न विभागों का करोड़ों से ज्यादा का भुगतान हुआ।

देर शाम तक जारी होता रहा बजट, अफसर लग रहे भुगतार करने में

अब नए वित्तीय वर्ष 2024–25 के लिए शासन स्तर से बजट आवंटित होगा। जो बजट आया ज्यातार खर्च हो गया है। शेष बचा नहीं है। पूरा आंकलन एक–दो दिन बाद सामने आएगा।

रात 10 बजे तक चलता रहा काम

वित्तीय वर्ष के अंतिम दिन मुख्य कोषागार में ज्यादातर वेतन, भत्तों आदि का ही बजट आया। रात 11 बजे तक कोषागार जिले के सभी विभागों के बिलों का भुगतान हो गया। विभिन्न विभागों की ओर से लगभग 700 बिल पेश करके उनका भुगतान कराया गया। सबसे ज्यादा बजट के बिलों का भुगतान यूपीसीडा, उद्योग निदेशालय, स्वास्थ्य विभाग का रहा। 31 मार्च को पिछले वर्षों की भांति इस साल अफरा–तफरी का माहौल नजर नहीं आया। सभी विभागों ने समय से बिल लगाकर बजट का भुगतान करा लिया। बचे हुए बजट की जानकारी पहले से ही संबंधित विभाग को दे दी गई थी। 31 मार्च, सोमवार को अंतिम बिल डीएसटीओ का आया, जिसका भुगतान किया गया। मुख्य कोषाधिकारी विनोद कुमार सिंह ने बताया कि सर्वर बंद होने से पहले ही सभी विभागों के बजट के बिलों का भुगतान कर दिया गया है। किसी विभाग का बजट लैप्स नहीं हुआ। पिछले वर्ष की तुलना में इस साल तीन गुना अधिक बजट के बिलों का भुगतान हुआ है।

31 मार्च को इन विभागों के बिलों का भुगतान किया गया – उद्योग निदेशालय, न्याय विभाग, सीएमओ, डफरिन, मेडिकल कॉलेज, हैलट, पीडब्ल्यूडी, समाज कल्याण, पुलिस, तकनीकी शिक्षा, यूपीसीडा, डीआई, डीएसटीओ।

पनकी के पास आउटर पर ट्रेन खड़ी कर चोरी किया जा रहा डीजल पेट्रोल

» अरसे से भारतीय रेल से चल रहा डीजल चोरी का खेल

» पनकी और सुरार स्टेशन इलाके के बीच होती है चोरी

» रेलवे कर्मियों की मिलीभगत से चल रहा खेल स्वराज इंडिया के कैमरे में कैद

डीजल भरने के बाद नदी में फेंक दिए जाते हैं कट्टे

स्वराज इंडिया की टीम को देखकर डीजल का कट्टा लेकर भागता चोर

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। हमारे देश का रेलवे विभाग हमेशा से ही विकसित भारत की मजबूत बुनियाद रहा है। बेहतर सवारी ट्रेनें और मजबूत भारवाहक ट्रेनें देकर इस विभाग ने भारत के आम जनमानस के लिए बेहतर सहूलियतें बरतीं हैं परंतु भारतीय रेल से जुड़ीं अपराधिक घटनाओं ने समय-समय पर इस विभाग को कलंकित करने का कार्य भी किया है फिर चाहें बीते वर्ष रेलवे ट्रैक पर फेंकें जा रहे सिलेंडरों का वाकया हो या सम्राटे रेलवे मार्ग के इर्द-गिर्द घूमने वाले झपट्टा मार चोरों का वाकया हो। ऐसा ही एक भारतीय रेल से जुड़ा अपराधिक खुलासा आज इस खबर में स्वराज इंडिया के माध्यम से किया जा रहा है। जिसमें उत्तर प्रदेश के कानपुर जिले के अंदर पनकी और सुरार स्टेशन इलाके के बीच में चल रहा एक ऐसा नेक्सस गैंग है जो यहां से गुज़र रही रेलवे लाइन पर प्रतिदिन खड़ी होने वालीं तेल वाहक ट्रेनों की बोगियों से हजारों लीटर डीजल चोरी करता है और ऐसा सालों से कर रहा है।

सबसे बड़ा सवाल...क्या डीजल चोरों को प्राप्त है आरपीएफ और इलाकाई पुलिस का संरक्षण?

बीते दिन जब स्वराज इंडिया संवाददाता इस खबर की पड़ताल के लिए क्राइम स्पॉट पर गए तो वहां पर मौजूद आसपास के ग्रामीणों ने दबी आवाज़ में इस नेक्सस को चलवाने में क्षेत्रीय पुलिस और रेलवे पुलिस फोर्स (आरपीएफ) की सहायता मिलती है ऐसा आरोप लगा डाला। सूत्रों की मानें तो आरपीएफ में तैनात कोई यादव जी हैं जो पूरी तरह से डीजल चोरों की सहायता करते हैं यहां तक की क्राइम स्पॉट के सबसे नज़दीक मौजूद रेलवे क्रॉसिंग में तैनात गेटमैन भी अदृश्य तौर पर इस नेक्सस का हिस्सा है। यह सभी जानकारी क्षेत्रीय जनता के हवाले से प्राप्त हुई है और अब स्वराज इंडिया की टीम लगातार इस डीजल चोरों के गैंग की एक-एक गतिविधियों पर नज़र गड़ा कर बैठी है।

स्पॉट से प्राप्त वीडियो फुटेज से चोरी के खेल का खुलासा

वैसे तो इस देश का हर आदमी इस बात से परिचित है की रेलवे विभाग का जंगलों में भी पड़ा हुआ हजारों टन लोहा कोई चोरी नहीं कर सकता है यदि ऐसा कोई करता है तो उसकी कानूनी कार्यवाही बहुत ही भयावह होती है परंतु रेलवे की जिम्मेदारी से होकर गुजरने वाला डीजल कानपुर में बड़ी आसानी से चोरी कर लिया जाता है स्वराज इंडिया के द्वारा जो तस्वीरें जारी की जा रहीं हैं उसमें आप देख सकते हैं की किस तरह से ट्रेन का तेल टैंकर रिस रहा है कैसे स्वराज इंडिया की टीम को देखकर डीजल चोर अपने हाथ में चोरी किए हुए डीजल से भरे हुए कट्टे को लेकर भागता नज़र आ रहा है। पहले से ही रेलवे ट्रैक के किनारे झाड़ियां में छिपा दिए जाते हैं डीजल भरने वाले खाली कट्टे और डीजल भरने के बाद बड़ी आसानी से रेलवे ट्रैक के नीचे से गुज़र रही नदी में इन्हें चोरों के द्वारा फेंक दिया जाता है और बाद में वहीं से उठा लिया जाता है। इलाकाई लोगों का कहना है कि यदि कोई व्यक्ति उस इलाके में किसी भी कार्य हेतु जाता है तो इन चोरों के माध्यम से उसे बुरी तरह से पीट कर भेज दिया जाता है चोरों के पास अवैध असलहे भी मौजूद रहते हैं। कई बार थाने में इनकी शिकायत भी की गई पर भ्रष्टाचार के एहसान तले दबे प्रशासन के द्वारा इन पर कोई कार्यवाही नहीं की गई।

स्वराज इंडिया Xक्लूसिव

झाड़ियां में फेंक रखे हैं डीजल चोरी करके भरने के लिए खाली कट्टे

चोरों के द्वारा खोला गया टैंकर का नट बोल्ट जिससे रिस रहा है भारी मात्रा में डीजल

बैंक कर्मियों की लापरवाही, वसूली रकम की जगह लिखा मोबाइल नंबर

राहुल पाण्डेय, स्वराज इंडिया

कानपुर। राजस्व वसूली को हो हल्ला करने वालों के लिए यह खबर है। बैंक कर्मियों की लापरवाही बानगी यह है वसूली में रकम की जगह मोबाइल नंबर लिख दिया। आरसी पहुंची तो सदर तहसील के कर्मियों के होश फाख्ता हो गए। वहीं, एक आरसी को बैंक ने 21 बार भेजा। जिससे महज छह लाख रुपये की राशि बकाया खाते में 1.26 करोड़ रुपये बन गई। अरबों की रकम वसूली का लक्ष्य, पूरा महकमा लग गया। जांच के बाद मालूम चला कि बैंक कर्मियों की गलती उनके सिर दर्द का कारण बना है।

- **एक आरसी को बैंक ने 21 बार भेजा**
- **सदर तहसील के कर्मियों के होश फाख्ता, 46 अरब की पहुंच गई वसूली**
- **बैंक समेत कई सरकारी विभागों की ओर से आरसी में गलतियां की गईं : एसडीएम सदर**

एसडीएम सदर ऋतुप्रिया ने बताया कि बैंक समेत कई सरकारी विभागों की ओर से आरसी में गलतियां की गईं हैं। बकाया रकम राशि गलत भरने से लक्ष्य अधिक हो गया है। ऐसी सभी आरसी वापस की गई हैं।

सदर तहसील के अधिकारियों के मुताबिक 46 अरब की वसूली करनी थी, जिसमें अब 4.50 अरब रुपये बकाया है। बैंकों व अन्य विभागों की लापरवाही का खामियाजा तहसीलकर्मियों को भुगतना पड़ता है।

विभिन्न सरकारी विभागों समेत बैंक बकाया रकम वसूलने में नाकाम होने के बाद आरसी काटकर तहसील को भेजते हैं। जिसके बाद तहसीलकर्मी इन बकाएदारों से बकाया रकम वसूलता है। इस वित्तीय सत्र में 46 अरब की बकाया रकम वसूलने का लक्ष्य सदर तहसील को मिला था। इतनी बड़ी बकाया राशि देख तहसील के अधिकारी भी सक्ते में आ गए। उन्होंने वसूली के साथ सभी आरसी की जांच शुरू की। एक सरकारी बैंक से आई दो ऋष्ट ने अधिकारियों के होश उड़ा दिए। बैंक कर्मियों की लापरवाही से आरसी में बकाया रकम के स्थान पर मोबाइल नंबर भर दिया था। इससे जो बकाया राशि लगभग पांच लाख रुपये थी, वह बढ़कर 9.41 अरब रुपये पहुंच गई। ऐसे अब तक दो मामले जांच में पकड़े जा चुके हैं। इसी तरह, एक मामला और सामने आया है, जिसमें एक ही बकाएदार की आरसी 21 बार भेजी गई है। जो महज 6 लाख रुपये थी लेकिन तहसील के बकाए खाते में यह 1.26 करोड़ रुपये पहुंच गई है। तहसील के अधिकारियों के मुताबिक ऐसे ही कई छोटी-छोटी गलतियां और मिली हैं, जिनसे बकाया रकम बढ़ गई है।

कानपुर रेंज में आईजी की प्लानिंग आई काम

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। कानपुर रेंज की धरती में तैनात तेजतर्रार छवि के कर्तवनिष्ठ और न्यायप्रिय आईजी जोगेंदर कुमार के कुशल नेतृत्व में पुलिस विभाग ने इस बार होली,अलविदा जुमा की नमाज और ईद-उल-फितर का त्योहार को रेंज में शांतिपूर्ण माहौल में सकुशल सम्पन्न कराने के लिए विशेष अभियान चलाया।इस अभियान में कानपुर देहात,औरैया,इटावा,कन्नौज और फर्रुखाबाद जनपदों की पुलिस ने संगठित और सुनियोजित प्रयास किए।

उनके नेतृत्व में पुलिस प्रशासन ने चेकिंग,अपराधियों की धरपकड़,सोशल मीडिया पर पुलिस की पैनी नजर,मिश्रित आबादी वाले क्षेत्रों व सार्वजनिक स्थानों पर ड्रोन कैमरों से निगरानी,अवैध शराब के खिलाफ सख्त कार्रवाई और

बनी रही चारो ओर शांति व्यवस्था

असमाजिक तत्वों पर कठोर कार्रवाई जैसी कई प्रभावी रणनीतियां अपनाई।आईजी जोगेंदर कुमार की दूरदर्शी योजना और सक्रिय निगरानी के चलते रेंज के अंतर्गत आने वाले सभी पांचों जनपदों में सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रही दोनों धर्मों के लोगों ने सांप्रदायिक सौहार्द बनाकर त्यौहारों का मिलजुल कर आनंद लिया और किसी भी प्रकार की कोई अप्रिय घटना नहीं घट सकी तथा गंगा जमुनी तहजीब को कायम रखने में उनकी प्लानिंग बेहद कारगर साबित हुई है।आईजी के निर्देशन पर एसएसपी और एसपी स्तर के अधिकारियों ने त्यौहारों को लेकर लगातार सड़कों पर भ्रमणशील रहते हुए इस विशेष अभियान की निगरानी की।सभी थाना प्रभारियों और क्षेत्राधिकारियों को सख्त दिशा निर्देश दिए गए कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में संवेदनशील स्थानों पर अधिक पुलिस बल की तैनाती करें।इसके अलावा अपराधियों व असमाजिक तत्वों और संदिग्ध व्यक्तियों पर भी नकेल कसी गई.

सम्पादकीय

कोर्ट बोला, पेड़ों से निर्ममता स्वीकार्य नहीं

देश में लगातार जारी पेड़ों की अवैध कटाई के खिलाफ सख्त रवैया अख्तियार करते हुए शीर्ष अदालत ने कहा है कि एक पेड़ का कटना इंसान की हत्या से भी बदतर है। कोर्ट ने आरोपी व्यक्ति को नये पौधे लगाने की अनुमति तो दी, लेकिन काटे गए 454 पेड़ों के बदले प्रति पेड़ एक लाख रुपये के हिसाब से लगाया जुर्माना कम करने से इनकार कर दिया। ऐसा कोर्ट ने अभियुक्त के गलती स्वीकारने और माफी मांगने के बावजूद किया।

इसके जरिये कोर्ट ने साफ संदेश दिया कि पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वालों को कोई रियायत नहीं दी जाएगी। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस अभय एस ओका और जस्टिस उज्जल भुइयां की पीठ ने स्पष्ट संदेश दिया कि संबंधित प्राधिकारी की आज्ञा के बिना पेड़ काटने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जानी चाहिए। उल्लेखनीय है कि ताजमहल व अन्य पुरातात्विक इमारतों के संरक्षण के लिये बनाये गए ताज ट्रेपोजियम क्षेत्र में 454 पेड़ कटवा दिए गए थे। वरिष्ठ अधिवक्ता एडीएन राव के इस सुझाव पर सहमति जतायी कि कोई कानून और पेड़ों को हल्के में न ले। वहीं जुर्माना लगाने के बाबत भी कोर्ट ने मानक तय किया कि इसमें किसी तरह रियायत नहीं दी जाएगी। कोर्ट ने इस बात को लेकर भी चिंता जतायी कि जो पेड़ काटे गए हैं, उसकी जगह नये पेड़ लगाने के बावजूद इसकी क्षतिपूर्ति में सौ साल लग जाएंगे।

उल्लेखनीय है कि पर्यावरणीय दृष्टि से संवेदनशील संरक्षित ताज ट्रेपोजियम क्षेत्र में अदालत ने पेड़ काटने पर वर्ष 2015 से ही प्रतिबंध लगा रखा था। इसके बावजूद अदालत की अनुमति के बिना सैकड़ों पेड़ काट डाले गए।

जिसके बाद न्यायालय ने केंद्रीय अधिकार प्राप्त समिति यानी सीईसी की वह रिपोर्ट स्वीकार कर ली कि बीते वर्ष 454 पेड़ काटने वाले व्यक्ति पर प्रति पेड़ के हिसाब से एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया जाए।

कोर्ट ने अभियुक्त की तरफ से पेश वकील वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी की वह दलील ठुकरा दी कि अभियुक्त ने गलती मानते हुए माफी मांग ली है, तो उसे जुर्माना कम करके राहत दी जाए। हालांकि कोर्ट ने पास के किसी स्थान पर पौधरोपण करने की अनुमति जरूर प्रदान कर दी है। ऐसे वक्त में जब पूरी दुनिया में ग्लोबल वार्मिंग के चलते तापमान में निरंतर वृद्धि जारी है, वृक्षों का होना प्राणवायु का जरिया ही है। जो हमें शहरों के कंक्रीट के जंगल से उत्पन्न खतरों से बचाते हैं। खासकर पुरातात्विक दृष्टि से महत्वपूर्ण इलाकों में उनकी दोहरी भूमिका है।

ऐसे में नीति-नियंताओं को सोचना होगा कि कैसे किसी व्यक्ति को संवेदनशील इलाके में पेड़ काटने की अनुमति दी गई। निरंतर बढ़ते तापमान के दौर में वृक्षों के प्रति संवेदनशीलता शासन-प्रशासन के साथ समाज में भी होनी चाहिए। उत्तराखंड में चिपको आंदोलन और राजस्थान में खेजड़ी वृक्षों को बचाने के लिये लोगों के त्याग व संघर्ष को हमें याद रखना चाहिए। जनता का कड़ा प्रतिरोध भी वृक्षों की रक्षा करने में निर्णायक भूमिका निभा सकता है। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस अभय एस ओका और जस्टिस उज्जल भुइयां की पीठ ने स्पष्ट संदेश दिया कि संबंधित प्राधिकारी की आज्ञा के बिना पेड़ काटने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जानी चाहिए। उल्लेखनीय है कि ताजमहल व अन्य पुरातात्विक इमारतों के संरक्षण के लिये बनाये गए ताज ट्रेपोजियम क्षेत्र में 454 पेड़ कटवा दिए गए थे।

अभिव्यक्ति को लेकर खिसकती डर की लक्ष्मण रेखा

ज्योति मल्होत्रा

दो मामलों में क्रमश : सुप्रीम कोर्ट व मद्रास हाईकोर्ट के हालिया फैसले सराहनीय कहे जाएंगे जिनमें सार्वजनिक तौर पर कविता व हास्य-व्यंग्य के जरिये अभिव्यक्ति की आजादी के अधिकार की रक्षा हुई। बता दें कि कुणाल कामरा ने अपनी सियासी टिप्पणी के लिए माफ़ी नहीं मांगी थी। शायद उन्होंने गत सप्ताह यह याद दिलाकर हम सब पर उपकार किया कि व्यंग्य के समक्ष सब समान हैं। ये मामले डर की लक्ष्मण रेखा नये सिरे से तय करते हैं।

ऐसे में जब सुप्रीम कोर्ट ने जनवरी में कांग्रेस सांसद इमरान प्रतापगढ़ी के खिलाफ जामनगर पुलिस द्वारा एक उर्दू नज़्म को लेकर दर्ज की गई एफआईआर को रद्द कर दिया है-जिसे गुजरात हाईकोर्ट ने खारिज करने से इनकार कर दिया था - और कुणाल कामरा ने भी अपने सोशल मीडिया शो में की टिप्पणी के लिए माफ़ी मांगने से साफ इनकार कर दिया है, तो गत सप्ताह का बड़ा प्रश्न यह रहा कि 'इंडिया' जो भारत है, उसके भीतर डर की लक्ष्मण रेखा कितने गहरे तक पैठ कर चुकी है?

हम में से हर कोई अपनी-अपनी लक्ष्मण रेखाएं तय करता है, और परिस्थिति के मुताबिक उनको सरकाते भी रहते हैं। सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति अभय ओका और उज्जल भुयान ने हालांकि अपना रुख सरल रखा। उन्होंने प्रतापगढ़ी मामले पर टिप्पणी करते हुए कहा : 'ज्हम अपने गणतंत्र के 75वें साल में हैं, हम वह नहीं हो सकते कि हमारे मूल सिद्धांत महज एक कविता या किसी प्रकार की कला अथवा मनोरंजन, मसलन, स्टैंड-अप कॉमेडी करने पर डांवांडोल हो जाएं और प्रस्तोता पर विभिन्न समुदायों के बीच कथित दुश्मनी या नफ़रत पैदा करने का आरोप मढ़ने लग जाएं। इस किस्म का दृष्टिकोण अपनाना सार्वजनिक दायरे में तमाम वैध विचारों की अभिव्यक्ति को कुचलना होगा, जबकि एक स्वतंत्र समाज के लिए इनका वजूद मूलत: बहुत ज़रूरी है' ।बीते शुक्रवार को ही, दिल्ली उच्च न्यायालय ने स्वीडन के नागरिक, प्रसिद्ध शिक्षाविद और मोदी के आलोचक अशोक स्वैन का ओसीआई कार्ड रद्द करने के केंद्र के आदेश को भी खारिज कर दिया - वे अपनी बीमार मां से मिलने के लिए भारत आना चाहते हैं, पर नहीं आ पा रहे। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि आगे क्या होगा क्योंकि अदालत ने केंद्र को स्वैन को एक नया कारण बताओ नोटिस जारी करने की अनुमति दे दी है। पिछले शुक्रवार को दिन खत्म होते-होते, मद्रास उच्च न्यायालय ने भी उस सुबह कामरा द्वारा मांगी गई अग्रिम जमानत को मंजूरी देकर अपना अभयदान दे दिया। जमानत की यह अर्जी मुंबई में उस एफआईआर की आशंका के मद्देनजर थी, जिसके लिए कहा जा रहा है कि कामरा द्वारा महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का नाम सीधे तौर पर लिए बिना 'गद्दार' या 'देशद्रोही' शब्दों का इस्तेमाल कर कसा तंज उन्हीं पर था ।ऐसा नहीं है कि कामरा ने अपनी 'धृष्टता' के लिए माफी मांग जान छुड़ा ली। रणवीर अलाहबादिया और समय रैना के बरक्स, जिनके मां-बाप को

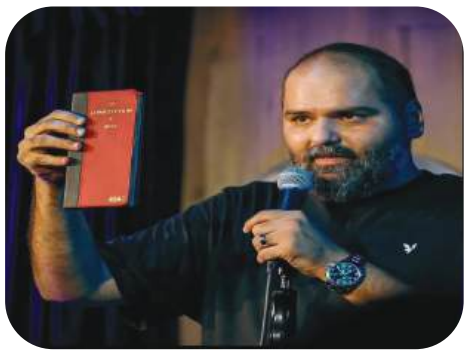

लेकर छिछोरे चुटकुलों ने फिर भी देशवासियों के मुंह में 'क्या यार' वाला कसैला स्वाद पैदा कर दिया था, कामरा ने कहा, 'मुझे इस भीड़ से डर नहीं लगता और मैं चारपाई के नीचे छिपकर इस भीड़ के छिटकने का इंतज़ार नहीं करूंगा'।

तो, बीते सप्ताह के अंत में बड़ा सवाल यह था : क्या भय है कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता अपना दमघोंटू दायरा तोड़कर बाहर निकल आएगी? क्या गणतंत्र के दिल में कुछ-कुछ परिवर्तन आने लगा है, जिसका चिन्ह है कि प्रतापगढ़ी और कामरा, दोनों एक समान संविधान की लाल-काली प्रतियां लहरा रहे हैं, मानो राष्ट्र को याद दिलाना चाहते हों कि अनुच्छेद 19 और 21 हमें सशक्त बनाते रहे हैं, तो क्या आपको भी?

सवाल यह है कि क्या डर की लक्ष्मण रेखा फिर से सरक रही है? तथ्य यह है कि चूंकि कामरा इन दिनों तमिलनाडु में रहते हैं, इसलिए कम से कम फिलहाल तो सुरक्षित हैं। एमके स्टालिन की डीएमके सरकार उनकी रक्षा करेगी, हालांकि अदालतों के विरुद्ध वह भी नहीं जाना चाहेगी, लेकिन इस दौरान वह भाजपा को राजनीतिक चुनौती देती रहेगी।

शायद भगवंत मान का पंजाब भी कुछ ऐसी ही विचित्र स्थिति में हो सकता था। मुख्यमंत्री ने अपने सार्वजनिक जीवन की शुरुआत बतौर एक शानदार हास्य अभिनेता की थी। 'लाफ्टर चैलेंज' नामक स्टैंड-अप शो से तेजी से सीखकर उनके 'पुष्पा' वाले चुटकुले आज भी राजनीतिक किस्सों का हिस्सा हैं - और लोकसभा के समय में जीवन के उन सबकों पर अमल किया।, और वह घट रही है, इसलिए ग्राफ इतना गिर चुका है कि देश के बाकी हिस्सों के लिए इसे गंभीरता से लेना काफी मुश्किल है। फ़िलहाल, तमिलनाडु, अपने संजीदा सामाजिक-आर्थिक मापदंडों के साथ सबसे आगे है, जो बाकी देश के लिए ईर्ष्या का विषय है।कामरा प्रकरण के अंत में ओशो का यह कथन : 'जीवन वहीं से शुरू होता है जहां से डर खत्म होता है', सच होता लगा, कहां तो गत सप्ताह की शुरुआत में तो खूब हलचल मची लेकिन शुक्रवार की शाम होते-होते लगने लगा कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा बोलने की आज़ादी को लेकर दिए फैसले के बाद से जीवन की चाल तेज़ी से आगे बढ़ चली है। उधर संसद में भी खूब हंगामा हुआ,जहां पर नवीनतम नोक-झोंक 14वीं सदी के राजपूत राजा राणा सांगा की साख को लेकर हुई, जब समाजवादी पार्टी के एक सांसद ने इब्राहिम लोदी को हराने के लिए बाबर को देश में कथित तौर पर आमंत्रित करने के वास्ते राणा को 'देशद्रोही' करार दिया।

विकास के साथ सांस्कृतिक धरोहर का संरक्षण जरूरी

श्रेष्ठ भारत के लिए

सुरेश सेठ

राष्ट्र को एकता के सूत्र में पिरोने के लिये जरूरी है कि एकता के लिये सरकारी नीतियों के साथ?समाज की सक्रिय भागीदारी हो। हम जाति, धर्म और सामाजिक दुराग्रहों से मुक्त हों। साथ?ही राष्ट्र को एकता के सूत्र में पिरोने के अभियानों का कारगर ढंग से उपयोग हो।भारत एक बड़ा प्रजातंत्र है, जिसका संविधान धर्मनिरपेक्षता की शर्त के तहत वादा करता है कि यहां सभी धर्मों का सम्मान किया जाएगा और कट्टरवाद को त्यागा जाएगा। इसका उद्देश्य यह है कि लोग विभाजित होकर एक-दूसरे में वैमनस्य न फैलाएं। गंगा-जमुना संस्कृति का आदान-प्रदान केवल स्थान विशेष तक सीमित न रहे, बल्कि पूरे देश में लोगों को अपने पूर्वाग्रहों से मुक्त होकर एकता के सिद्धांत पर आधारित विकास के मार्ग पर आगे बढ़ना चाहिए।

सरकार ने भारत को एकजुट और सशक्त बनाने के लिए कई प्रयास किए हैं। सबसे पहले, जीएसटी के रूप में 'एक देश, एक कर' की व्यवस्था लागू की गई। इसके बाद, 'एक देश, एक चुनाव' का प्रस्ताव और एकीकृत सिविल कोड की स्थापना पर चर्चा की जा रही है। हिंदी को संपर्क भाषा के रूप में अपनाने का निर्णय लिया गया था, क्योंकि देश की अधिकांश आबादी इसे समझती है। हालांकि, दक्षिण भारत विशेषकर तमिलनाडु में इस पर विरोध है, जिससे हिंदी को वह दर्जा नहीं मिल सका जो अपेक्षित था। अगर हम 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' बनाना चाहते हैं, तो सबसे पहले हमें अपनी भाषा हिंदी को संपर्क भाषा के रूप में अपनाना चाहिए और इस रास्ते में किसी भी प्रकार के कटुता, सांप्रदायिकता या क्षेत्रीयवाद के अवरोध नहीं आने चाहिए। हमें अखंड भारत बनाने के लिए और भी बहुत से कदम उठाने होंगे।अनुच्छेद 370 और 35-ए के उन्मूलन ने जम्मू-कश्मीर को शेष भारत से जोड़ा, जिससे वहां पर्यटन, तीर्थाटन और फिल्मों की शूटिंग फिर से शुरू हुई। यह भारत की एकता का प्रतीक है। हाल ही में बिहार दिवस को सार्वदेशिक रूप से मनाने की घोषणा की गई है, ताकि यह केवल बिहार तक सीमित न रहे, बल्कि पूरा देश इसे मनाए। बिहार की सांस्कृतिक धरोहर, जिसमें माता सीता, महात्मा बुद्ध, महावीर जैन, गुरु

गोबिंद सिंह और आर्यभट्ट की जन्मभूमि की गरिमा भी शामिल हैं, को राष्ट्रीय धरोहर के रूप में स्वीकार किया गया। यह क्षेत्रीयता की सीमाओं से परे जाकर भारतीय संस्कृति की एकता को बढ़ावा देने का कदम है।सरकार ने 'एक देश, एक उत्सव' और 'एक देश, एक राशन कार्ड' जैसे कदम उठाए हैं, जो राष्ट्रीय एकता और समावेशिता को बढ़ावा देते हैं। एक राशन कार्ड से देशभर में राशन प्राप्त करने की सुविधा से एक राज्य के लोग अन्य राज्यों में भी सस्ता राशन प्राप्त कर सकते हैं, जिससे उन्हें रोजगार के नए अवसर मिलते हैं। इसके साथ ही, कई राज्यों में रहने वाले लोग मतदान में भाग नहीं ले पाते क्योंकि वे रोजगार की तलाश में दूर जाते हैं। एक उदाहरण के रूप में स्थिति यह है कि बिहार में रह रहे मूल लोगों के कुल वोटों का 45 प्रतिशत ही मतदान कर पाता है। इस तरह कम मतदान प्रतिशत के कारण एक मजबूत लोकतंत्र का निर्माण नहीं हो रहा।वहीं 'एक देश, एक उत्सव' के विचार से यह सुनिश्चित किया जा सकता है कि हर राज्य का सांस्कृतिक महोत्सव पूरे देश में मनाया जाए, जिससे देश को सांस्कृतिक दृष्टि से एक सूत्र में बांधने में मदद मिलेगी।सत्तारूढ़ राजनेताओं का यह दावा कि एनडीए सरकार के तहत भारत एकीकृत और अखंड हुआ है, सच में कई विकासात्मक कदम उठाए गए हैं। बिहार जैसे पिछड़े राज्यों में प्राथमिकता के आधार पर विकास हुआ है, जैसे नए अस्पताल, इंजीनियरिंग और पॉलीटेक्निक कॉलेजों की संख्या में वृद्धि, और एयरपोर्टों की संख्या में इजाफा। हालांकि, यह सवाल उठता है कि इस समावेशी विकास के साथ हम भारत को एकता के सूत्र में कैसे बांध सकते हैं?जाति आधारित आरक्षण, जो जनगणना से जुड़े विवादों का मुख्य मुद्दा है, आज भी देश में एक बड़ी चुनौती है। देश?के कई राज्यों में जातीय संघर्ष दुर्भाग्यपूर्ण है। जैसे मणिपुर में जातीय संघर्षों की स्थिति है। यह मैतेई और कुकी जाति का मसला ही नहीं बल्कि वहां छोटी-छोटी जनजातियां भी अपने लिए आरक्षण मांग रही हैं। इसके अलावा, उदार अनुकंपा की संस्कृति, जो मेहनत के बजाय मुफ्तखोरी को बढ़ावा देती है, इसको लेकर भी गंभीर चिंताएं हैं।हम 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' बनाने की बात तो करते हैं, लेकिन हमें यह समझना होगा कि केवल आर्थिक और भौतिक विकास से देश की एकता नहीं बन सकती। सामाजिक असमानताएं, बेरोजगारी, और वंचित वर्गों की अनदेखी विकास की राह में बाधा डाल रही हैं।आजादी की पौन सदी बीत चुकी है और हम आजादी का अमृत महोत्सव मना रहे हैं। यदि हम भारत को दुनिया की सर्वश्रेष्ठ शक्ति बनाना चाहते हैं, तो हमें उन गरीब और वंचित वर्गों को भी मुख्यधारा में लाना होगा, जिनकी आवाज़ अक्सर अनसुनी रह जाती है। तभी हम एक सशक्त और एकीकृत भारत का निर्माण कर पाएंगे। अगर हम 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' बनाना चाहते हैं, तो सबसे पहले हमें अपनी भाषा हिंदी को संपर्क भाषा के रूप में अपनाना चाहिए और इस रास्ते में किसी भी प्रकार के कटुता, सांप्रदायिकता या क्षेत्रीयवाद के अवरोध नहीं आने चाहिए। हमें अखंड भारत बनाने के लिए और भी बहुत से कदम उठाने होंगे।अनुच्छेद 370 और 35-ए के उन्मूलन ने जम्मू-कश्मीर को शेष भारत से जोड़ा।

कैमोमाइल का कमाल, स्किन बने बेमिसाल!

आपको एक्ने आदि की शिकायत का सामना भी नहीं करना पड़ता है। इतना ही नहीं, कैमोमाइल टी रिंस को बनाना भी काफी आसान है। अगर आपकी त्वचा को तुरंत फ्रेशनेस चाहिए, तो इसे टोनर या मिस्ट की तरह लगाएं।

अगर आपकी त्वचा थकी हुई, रूखी या चिडचिडी लग रही है, तो उसे ताजगी और निखार देने का सबसे आसान तरीका है कैमोमाइल टी का इस्तेमाल करना। इस हर्बल टी को अच्छी नींद लेने के लिए जाना जाता है, जबकि यह आपकी स्किन के लिए भी उतनी ही फायदेमंद है। इसमें मौजूद एंटी-इंफ्लेमेटरी, एंटीबैक्टीरियल और एंटी-ऑक्सीडेंट गुण आपकी स्किन को नेचुरली क्लीन और ग्लोइंग बनाते हैं।

इससे ना केवल स्किन की रेडनेस कम होती है, बल्कि आपको एक्ने आदि की शिकायत का सामना भी नहीं करना प?ता है। इतना ही नहीं, कैमोमाइल टी रिंस को बनाना भी काफी आसान है।

अगर आपकी त्वचा को तुरंत फ्रेशनेस चाहिए, तो इसे टोनर या मिस्ट की तरह लगाएं। वहीं, अगर आपके चेहरे पर जलन या सूजन है, तो इसे सूटिंग कंप्रेस के रूप में इस्तेमाल करें। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको बता रहे हैं कि आप घर पर कैमोमाइल टी बनाकर अपनी स्किन का ख्याल किस तरह रखें-

कैमोमाइल टी के स्किन बेनिफिट्स क्या हैं? कैमोमाइल टी रिंस का इस्तेमाल करने से पहले आपको इसके फायदों के बारे में भी अवश्य जान लेना चाहिए, - कैमोमाइल में सूजन कम करने वाले गुण होते हैं, जो त्वचा की लालिमा, जलन और रैशेज को शांत करने में मदद करते हैं। इसके एंटी-बैक्टीरियल गुण मुंहासे पैदा करने वाले बैक्टीरिया से ल?ते हैं, जिससे स्किन साफ और हेल्दी रहती है।

यह एक हल्के टोनर की तरह काम करता है, जिससे त्वचा हाइड्रेट और तरोताजा बनी रहती है।, आंखों के नीचे की सूजन को कम करके त्वचा को रिलैक्स करता है।, इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स झुर्रियों और एजिंग के लक्षणों को कम करने में मदद करते हैं।

कैमोमाइल टी रिंस कैसे बनाएं

घर पर कैमोमाइल टी रिंस बनाने के लिए आपको टी बैग्स के अलावा कुछ सामग्री की जरूरत होगी। क्या-क्या चाहिए, 2 कैमोमाइल टी बैग्स, 1 कप गर्म पानी, 1 छोटा चम्मच शहद, 1-2 बूंदें लैवेंडर या गुलाब का एसेंशियल ऑयल, बनाने और इस्तेमाल करने का तरीका, सबसे पहले गर्म पानी में कैमोमाइल टी बैग्स डालकर 10-15 मिनट तक छोड दें। अब इसे पूरी तरह ठंडा होने दें और फिर शहद व एसेंशियल ऑयल मिलाएं। कॉटन पैड की मदद से चेहरे पर हल्के से लगाएं या स्प्रे बोतल में भरकर चेहरे पर स्प्रे करें।

इसे 10-15 मिनट तक चेहरे पर लगा रहने दें और फिर ठंडे पानी से धो लें। चाहें तो इसे त्वचा में खुद ही सूखने दें।- आप इसे हफ्ते में 2-3 बार टोनर की तरह या चेहरा धोने के बाद इस्तेमाल कर सकते हैं।

बिना खर्चा, बिना झंझट, ऐसे बनाएं गजब की छवियां!

आप चैटजीपीटी के बजाय घिबली-स्टाइल इमेज बनाने के लिए अन्य एआई टूल का इस्तेमाल कर सकते हैं। घिबली स्टाइल्स इमेज बनाने के लिए आपके ग्रोक चैटबॉट का उपयोग कर सकते हैं।

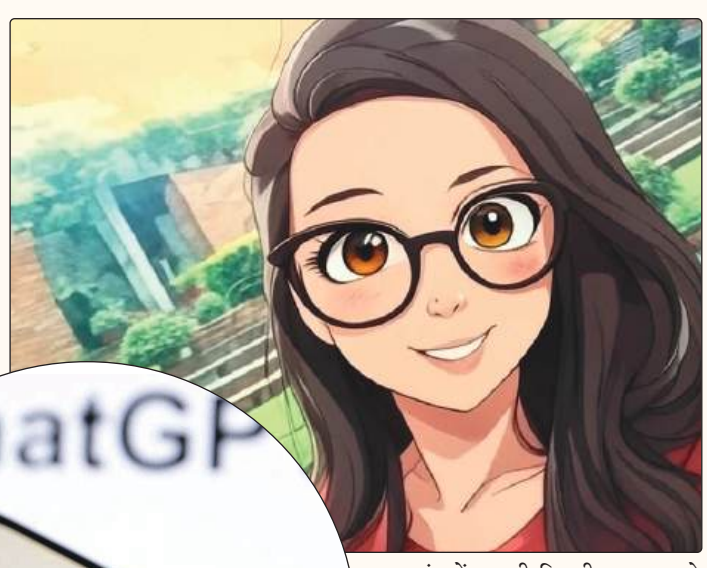

इस बार यह आसानी से ठीक नहीं हो सकता है, लेकिन यह आपकी स्थिति को घिबली स्टाइल इमेज में बदल देगा। अच्छी बात यह है कि इसके इस्तेमाल की कोई सीमा नहीं है। आप वयस्क कार्टून स्टाइल घिबली स्टाइल की छवि बना सकते हैं। की नई घिबली स्टाइल्स इमेज जनरेशन सुविधा अभी भी बहुत लोकप्रिय है। इसका उपयोग करते हुए मज़ेदार मनोरंजन किया जा सकता है और इससे कुछ बेहतरीन तस्वीरें बनाई जा सकती हैं। लेकिन, सभी अच्छे जानवरों की तरह, इसकी भी कुछ सीमाएँ हैं। आप एक इमेज मुफ्त में बना सकते हैं, जो बहुत बढ़िया है। लेकिन अगर आप और इमेज बना रहे हैं, तो आपको या तो थोड़ा इंतजार करना होगा या प्रीमियम में आधार बनाना होगा।

इसलिए, जब भी हर कोई चैटजीपीटी के घिबली वाइब्स के बारे में बात कर रहा है, तो कुछ अलग क्यों नहीं देखा जाता? आप चैटजीपीटी के बजाय घिबली-स्टाइल इमेज बनाने के लिए अन्य एआई टूल का इस्तेमाल कर सकते हैं।

घिबली स्टाइल्स इमेज बनाने के लिए आप के ग्रोक चैटबॉट का उपयोग कर सकते हैं। इस बार यह आसानी से ठीक नहीं हो सकता है, लेकिन यह आपकी स्थिति को घिबली स्टाइल इमेज में बदल देगा। अच्छी बात यह है कि इसके इस्तेमाल की कोई सीमा नहीं है। आप वयस्क कार्टून स्टाइल घिबली स्टाइल की छवि बना सकते हैं।

ग्रोक का उपयोग करके घिबली स्टाइल इमेज कैसे बनाएं?

1. अपने एक्स खाते पर विक्रेता ग्रोक चैटबॉक्स खोलें और इसमें अपनी तस्वीरें अपलोड करें। 2. अपलोड की गई तस्वीरों के साथ प्रॉम्प्ट में अपनी छवि के लिए एक विवरण दर्ज करें, जैसे कि घिबली स्टाइल में बनाए। 3. ग्रोक को इमेज जनरेट करने के लिए कहें। इसमें कुछ सेकंड से लेकर कुछ मिनट तक का समय लग सकता है।

4. यदि आवश्यक हो, तो आप छवि को संपादित कर सकते हैं और इसे अपनी पसंद के अनुसार अनुकूलित कर सकते हैं।

5. अंत में, अपनी घिबली स्टाइल्स इमेज को सेव करें और अपने सोशल मिडिया प्लेटफॉर्म पर साझा करें। चैटजीपीटी की तरह ग्रोक का उपयोग करके घिबली स्टाइल्स इमेज बनाना मुश्किल नहीं है।

इसके लिए आपको बस अपने प्रॉम्प्ट पर ध्यान देना होगा ताकि ग्रोक इमेज को अधिक विस्तार से बनाया जा सके।

अगर आप शुरू करते हैं तो इसके लिए चैटजीपीटी का भी इस्तेमाल कर सकते हैं, कैसे? आइये जानते हैं चैटजीपीटी की मदद से ग्रोक का उपयोग करके घिबली स्टाइल इमेज कैसे बनाएं? 1. चैटजीपीटी की वेबसाइट या ऐप साझा करें और चैटबॉट को बताएं कि आप किस प्रकार की तस्वीरें बनाना चाहते हैं, अलग-अलग हो सकते हैं।

2. चैटजीपीटी से कहा गया है कि उसने ग्रोक के लिए एक टेक्स्ट प्रॉम्प्ट बनाया है जिससे आपका मनपसंद चित्र बन जाएगा।

3. ग्रोक ऐप यूजर और चैटजीपीटी द्वारा बनाए गए टेक्स्ट प्रॉम्प्ट का उपयोग करें।

4. कुछ ही सेकेंड में आपकी मनपसंद तस्वीर बन जाएगी। अगर आप कुछ और बदलाव कर रहे हैं, तो बस ग्रोक से कहें कि वह चैटजीपीटी की मदद से बदलाव करें।

नवरात्रि में करें सैर, बंगाल के मंदिरों का पुण्य असर!

आस्था और भक्ति के संग करें देवी दर्शन, पश्चिम बंगाल के इन प्रसिद्ध मंदिरों में पाएं दिव्य अनुभव, सुख-समृद्धि का आशीर्वाद और मनोकामनाओं की पूर्ति का वरदान!

धर्म कर्म

चैत्र नवरात्रि की शुरुआत कल यानी के 30 मार्च से हो रही है और इसका समापन 7 अप्रैल को हो रहा है। अगर आप भी नवरात्रि के दौरान पश्चिम बंगाल के मंदिर घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो आप एक बार इन देवी के मंदिर जरुर जाएं।

इस साल 30 मार्च से चैत्र नवरात्रि शुरु होने जा रही हैं। नवरात्रि में 9 दिनों तक मां दुर्गा के नौ स्वरुपों की पूजा की जाती है। इस दौरान भक्तजन मां दुर्गा के दर्शन के लिए अलग-अलग मंदिरों में जाना पसंद करते हैं। इस लेख हम आपको बताने जा रहे हैं देवी मां के मंदिरों के बारे में, जहां दर्शन करने के लिए लोग दूर-दूर से आते हैं।

नवरात्रि के मौके पर देशभर से पश्चिम बंगाल में स्थित मां दुर्गा के मंदिर देखने जाते हैं। आप भी प्रसिद्ध दुर्गा और काली मंदिरों का दर्शन कर सकते हैं। कालीघाट काली मंदिर कोलकाता में स्थित कालीघाट मंदिर बेहद ही प्रसिद्ध और पवित्र मंदिरों में से एक है। यह मंदिर काली देवी के रुप को समर्पित है। इस मंदिर को 51 शक्तिपीठों में से एक माना जाता है।

धार्मिक मान्यता है कि यहां पर काली देवी सती के दाहिने पैर की उंगालियां गिरी थी। चैत्र की नवरात्रि पर यहां काफी भीड़ होती है। दक्षिणेश्वर काली मंदिर

पश्चिम बंगाल में दक्षिणेश्वर काली मंदिर काफ़ी फेमस है। यह मां दुर्गा के नौ स्वरुपों में से एक देवी काली को समर्पित है। इस मंदिर में आध्यात्मिक माहौल के लिए काफी प्रसिद्ध है। दक्षिणेश्वर काली मंदिर में लाखों श्रृद्धालु आते हैं।

किरीटेश्वरी मंदिर

अगर आप पश्चिम बंगाल जा रहे हैं, तो किरीटेश्वरी मंदिर का दर्शन जरुर करें। किरीटेश्वरी मंदिर को 51 शक्तिपीठों में से एक माना जाता है। बता दें कि, यह प्रसिद्ध मंदिर हुगली नदी किनारे पर स्थित है। यहां मां किरीटेश्वरी के साथ ही भगवान शिव की पूजा भी होती है।

सोशल मीडिया पर घिबली स्टाइल तस्वीरों का छा रहा जादू

तेजी से बढ़ रहा फोटो का क्रेज

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर । इन दिनों सोशल मीडिया पर एक नया ट्रेंड छाया हुआ है–घिबली स्टाइल तस्वीरें। लोग अपनी असली तस्वीरों को जापानी एनीमेशन स्टूडियो घिबली की कला शैली में बदलकर शेयर कर रहे हैं। यह अनोखा ट्रेंड तेजी से लोकप्रिय हो रहा है और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर धूम मचा रहा है।

घिबली स्टूडियो जापान का एक प्रसिद्ध एनीमेशन स्टूडियो है, जो अपने बारीक और खूबसूरत एनीमेशन के लिए जाना जाता है। इसकी कला शैली में कोमल रंग, हल्के ब्रश स्ट्रोक्स और बड़े भावनात्मक चेहरे होते हैं, जिससे तस्वीरों में एक जादुई एहसास आता है।

कैसे बनाएं अपनी घिबली स्टाइल तस्वीर?

आज के डिजिटल युग में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से कोई भी अपनी तस्वीर को घिबली स्टाइल में बदल सकता है। कई ऑनलाइन टूल्स और मोबाइल ऐप्स इस काम को आसान बना रहे हैं।

आईसीटी एक्सपर्ट शेखर यादव बताते हैं कि एआई टूल चैट जीपीटी की मदद से भी यह संभव है। इसके लिए https://chatgpt.com/ वेबसाइट खोलें।

प्लस आइकन पर क्लिक करके अपनी पसंदीदा फोटो अपलोड करें।

घिबली स्टाइल में फोटो बदलने का प्रॉम्प्ट लिखें। कुछ सेकंड में आपकी फोटो घिबली स्टाइल में परिवर्तित हो जाएगी।

आईसीटी की पाठशाला के फेसबुक पेज पर इस प्रक्रिया को विस्तार से समझाया गया है।

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा ट्रेंड

इंस्टाग्राम, ट्विटर और फेसबुक पर हजारों लोग अपनी घिबली स्टाइल तस्वीरें शेयर कर रहे हैं। खासकर युवा इस ट्रेंड को लेकर बेहद उत्साहित हैं। कई मशहूर हस्तियां भी अपनी तस्वीरों को घिबली स्टाइल में बदलकर पोस्ट कर रही हैं, जिससे यह ट्रेंड और तेजी से फैल रहा है।

क्रिएटिविटी को मिल रहा नया आयाम

घिबली स्टाइल तस्वीरों का ट्रेंड न केवल मनोरंजन का साधन बन रहा है, बल्कि यह डिजिटल आर्ट और क्रिएटिविटी को भी बढ़ावा दे रहा है। डिजिटल आर्टिस्ट और ग्राफिक डिज़ाइनर्स भी इस तकनीक का उपयोग कर रहे हैं और इसे अपने काम में शामिल कर रहे हैं।

अगर आपने अब तक अपनी घिबली स्टाइल तस्वीर नहीं बनाई है, तो देर किस बात की? इस मजेदार ट्रेंड का हिस्सा बनें और अपनी अनोखी तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा करें।

करोड़ों की ठगी करने वाले अंतर्राज्यीय गिरोह का भंडाफोड़

नौकरी का झांसा देकर लोगों को बनाते थे शिकार, 4 गिरफ्तार

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। शहर में बैठकर विदेश में नौकरी दिलाने का झांसा देकर देशभर के सवा लाख लोगों से करोड़ों की ठगी करने वाले अंतर्राज्जीय गिरोह के चार शातिर सदस्यों को क्राइम ब्रांच की टीम ने गिरफ्तार किया है। शातिर नौकरी डॉट काम से नंबर निकालकर वीडियो कॉल कर इंटरव्यू लेते थे। शातिरों में दो युवतियां और दो पुरुष शामिल हैं। पुलिस को शातिरों के पास चार बैंक खातों में करोड़ों रुपये का लेनदेन मिला है। पुलिस अब गिरोह के अन्य सदस्यों के बारे में पता लगाने में जुटी है।

डीसीपी क्राइम एसएम कासिम आब्दी और एडीसीपी अंजलि विश्वकर्मा ने घटना का खुलासा करते हुए बताया कि मूलरूप से पंजाब के अमृतसर निवासी विकास शर्मा चकेरी में रहता है। 14 फरवरी को ठगों ने दुबई में नौकरी दिलाने के नाम पर 26,800 रुपये उससे ठग लिए थे। पीड़ित ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जिसके बाद मामले की जांच शुरू हुई। डीसीपी के अनुसार साइबर सेल की टीम ने ठगों ने जिस खाते में रुपये मंगाए थे उसकी डिटेल निकलवाई। खाते में मिले मोबाइल नंबर के आधार पर टीम ने चमनगंज के भनानापुरवा निवासी 26 वर्षीय अरीबा अंसारी को गिरफ्तार कर लिया।

उसकी निशानदेही पर टीम ने किदवई नगर डी ब्लॉक निवासी 45 वर्षीय कीर्ति गुप्ता उर्फ स्नेहा, चौबेपुर के बिशुनपुर निवासी 31 वर्षीय अनुराग दीक्षित उर्फ अंकुर और गाजियाबाद के अजनारा जैनेक्स निवासी 33 वर्षीय हरिओम पांडेय को गिरफ्तार कर लिया। हरिओम मूलरूप से प्रतापगढ़ के डाही पट्टी का रहने वाला है। पुलिस ने चारों गिरोह के सदस्यों के पास से तीन लैपटॉप, नौ स्मार्ट फोन, 14 कीपैड मोबाइल, आठ मोबाइल सिम कार्ड, एक वाईफाई राउटर, दो बैंक पासबुक, सात डेबिट कार्ड और एक कार बरामद की है। डीसीपी ने बताया कि पकड़े गए अंतर्राज्जीय गिरोह में कुल 15 सदस्य है। गिरोह के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट की कार्रवाई की जाएगी। खुलासा करने वाली टीम को 20 हजार रुपये इनाम देने की घोषणा की गई है। डीसीपी के अनुसार चारों को न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया। वहीं अन्य सदस्यों की तलाश में दबिश दी जा रही है।

पुरानी पेंशन बहाली के लिए अप्रैल से मनाएंगे काला दिवस

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। नेशनल मूवमेंट फॉर ओल्ड पेंशन स्कीम (एनएमओपीएस) के आह्वान पर एक अप्रैल को यूपीएस के विरोध में पूरे देश में शिक्षक-कर्मचारी काला दिवस मनाएंगे। शिक्षक-कर्मचारी काली पट्टी बांधकर अपना विरोध दर्ज कराएंगे। साथ ही सरकार से एनपीएस व यूपीएस को समाप्त कर पुरानी पेंशन बहाली की मांग करेंगे।

एक अप्रैल 2025 से केंद्र सरकार ने सरकारी नौकरियों में यूपीएस लागू करने का निर्णय लिया है। इस निर्णय का पूरे देश के शिक्षक व कर्मचारी विरोध कर रहे हैं। जनपद में अटेवा के बैनर तले शिक्षक-कर्मचारी काली पट्टी बांधकर सरकार से पुरानी पेंशन बहाली की मांग करेंगे। अटेवा पेंशन बचाओ मंच उत्तर प्रदेश एवं एनएमओपीएस के शीर्ष नेतृत्व एवं प्रान्तीय अध्यक्ष विजय कुमार बन्धु के आह्वान पर जनपद

» शिक्षक-कर्मचारी कर रहे हैं मांग

कानपुर देहात में शिक्षकों एवं कर्मचारियों के द्वारा अपने कार्यस्थल पर काली पट्टी बांधकर कार्य करते हुए विरोध दर्ज कराया जाएगा तथा प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री को जिला अधिकारी के माध्यम से ज्ञापन देकर सरकार से पुरानी पेंशन बहाली की मांग की जाएगी।

मालूम हो कि उत्तर प्रदेश में 1 अप्रैल 2005 को पुरानी पेंशन व्यवस्था बंद कर नई पेंशन व्यवस्था लागू की गई थी। अब 1 अप्रैल से एक और नई व्यवस्था यूपीएस लागू करने जा रही है। यूपीएस के रूप में यह शिक्षकों, कर्मचारियों व अधिकारियों के साथ बहुत बड़ा धोखा होगा। यह काला कानून है, अटेवा प्रतिवर्ष 1 अप्रैल को एनपीएस के विरुद्ध काला दिवस मनाता रहा है इसी क्रम में इस वर्ष भी 1 अप्रैल को सभी शिक्षक, कर्मचारी व अधिकारी अपने-अपने कार्य स्थलों पर या जहां भी होंगे बांह में काली पट्टी बांध करके काले कानून के लिए विरोध दर्ज करायेंगे और सरकार से मांग करेंगे कि उन्हें हूबहू पुरानी पेंशन (ओपीएस) ही चाहिए।

अटेवा संगठन विद्यालय समय के पश्चात माती जिला मुख्यालय पर जिला अधिकारी को ज्ञापन देकर सरकार से एनपीएस और यूपीएस रूपी काले कानून को समाप्त कर पुरानी पेंशन व्यवस्था बहाल करने की मांग रखेगा। जनपद के सभी ब्लॉकों के अटेवियन्स साथियों के द्वारा व्यक्तिगत और सामुहिक रूप में काली पट्टी बांधकर कार्य किया जायेगा और दृढसंकल्पित होकर ज्ञापन दिया जायेगा। जब तक कि पुरानी पेंशन व्यवस्था बहाल नहीं हो जाती तब तक अटेवा पेंशन बचाओ मंच का संघर्ष अनवरत जारी रहेगा।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। **संपादकः** अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 | **Email:** swarajindia2023@gmail.com | **Mob:** 7800009853, | **Website:** www.swarajindianews.com | **प्रधान संपादक रतन प्रकाश सिंह (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)**

शिक्षामित्र के निधन पर शिक्षकों ने जताया शोक

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। मलासा ब्लॉक के प्राथमिक विद्यालय बेड़ामऊ खास में कार्यरत शिक्षामित्र देवेन्द्र यादव ऊर्फ साजन यादव का सोमवार को कानपुर केएक अस्पताल में इलाज के दौरान निधन हो गया निधन की खबर सुनकर उनके परिवार और शिक्षा जगत से जुड़े लोगों में शोक की लहर छा गई। जैसे ही शिक्षामित्र देवेन्द्र यादव का पार्थिव शरीर उनके घर दुलीचंद्रपुर लाया गया तो उनकी पत्नी बच्चों तथा और परिवार जनों का रो रो कर बुरा हाल था मृतक देवेन्द्र यादव अपने पीछे पत्नी तथा 2 बेटे और एक बेटी को जो अभी सब बच्चे 5 बर्ष से भी कम आयु

के है उनका लालन पालन कौन करेगा यह सोचकर सभी के आखों में आंसू थे। खबर पाकर आदर्श शिक्षा मित्र वेलफेयर एशोसियेसन के जिला अध्यक्ष महेंद्र पाल, जगदीश पटेल, हरमोहन यादव तथा प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष देवेन्द्र सचान, जूनियर शिक्षक संघ के अध्यक्ष सर्वेश कटियार दिलीप कुमार , पवन यादव ,जितेन्द्र सचान, भूप सिंह , भैया जी, प्यारेलाल, अजय कुमार विवेक सचान . आदि शिक्षक , शिक्षामित्रों ने उनके घर पहुंचकर पार्थिव शरीर को भावभीनी श्रद्धांजलि देकर परिवार जनों को ढाढस बंधाते हुए हर संभव मदद का भरोसा दिलाया

पुखरायां कस्बा में खराब पड़े वाटर कूलर, ईओ और चेयरमैन अनजान

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। तापमान बढ़ने और दिन में तेज धूप होने से गर्मी का अहसास अब खूब होने लगा है। वहीं पुखरायां नगर पालिका के कई वार्डों में सार्वजानिक जगहों पर वाटर कूलर खराब पड़े हैं। ऐसे में स्थानीय लोगों के साथ राहगीरों को पेयजल के लिए भटकना पड़ रहा है।मजबूरन राहगीरों को बोतल बंद ठंडा पानी खरीद कर प्यास बुझानी पड़ रही है। जिससे उनकी जेबों पर भी असर पड़ रहा है। पुखरायां नगर पालिका में राहगीरों को स्वच्छ पानी मुहैया कराने के लिए लाखों की लागत से कई वाटर कूलर लगाए, लेकिन अधिकांश स्थानों में काफी समय से वाटर कूलर खराब हैं

» पानी पीने के लिए भटक रहे राहगीर

» हर शनिवार को आते हैं उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री राकेश सचान, फिर भी ये हाल

पैसा खर्च कर बुझा रहे प्यास क्या करे साहब.....

नगर पालिका के सुआ बाबा मंदिर के पास में लगा वाटर कूलर काफी समय से खराब है। इससे लोगों को प्यास बुझाने के लिए भटकना पड़ रहा है। सबसे बड़ी समस्या राहगीरों को है। स्कूल के सैकड़ों लोग नियमित वाहनों के इंतजार में खड़े रहते हैं। फ्रीजर खराब होने से राहगीरों को प्यास बुझाने के लिए मजबूरन बोतल बंद पानी खरीदना पड़ रहा है।

केस -2

काफी समय से खराब है वाटर फ्रीजर.....

पालिका कार्यालय कालोनी लगा वाटर फ्रीजर काफी समय से खराब है। न छापने की शर्त पर बताया है कि काफी समय से फ्रीजर खराब हो गया था। नगर पालिका पंचायत के कर्मचारियों को कई बार समस्या बताई गई। मगर फ्रीजर की मरम्मत नहीं कराई गई। ऐसे में वार्ड के लोगों के अलावा राहगीरों को शीतल पेयजल नहीं नसीब हो रहा है।

केस -3

हजारों की भीड़ वाले स्थान पर भी वॉटर कूलर खराब अफसर क्यों नहीं दे रहे ध्यान

हरदुआ पुल के पास लगा वाटर कूलर काफी समय से खराब है अनिल शंखवार और राम बाबू, आदि लोगों ने बताया है कि काफी समय से खराब है।राहगीरों को काफी समय से ठंडा पानी नहीं मिला पीने के पानी के लिए बहुत परेशानी उठानी पड़ रही है। बताया पिछले वर्ष भी ठंडा पानी नहीं मिला था।

केस -4

झगड़ेंश्वर मंदिर के पास भी खराब लगा है वाटर कुलर

झगड़ेंश्वर मंदिर के पास लगा वाटर कुलर काफी लंबे समय से खराब है। जब मंदिर में लगे वॉटर कूलर को सही नहीं कराया गया है। इस ऐसे में पालिका अधिकारियों की लापरवाही से अभी तक उसको सही नहीं कराया गया। आखिर कब सही होगे वॉटर कूलर।

क्या बोले जिम्मेदार अधिकारी.....

इस प्रकरण को लेकर नगर पालिका के ईओ अजय कुमार ने बताया है कि मरम्मत का कार्य चालू हो चुका है। जल्द ही सभी की मरम्मत करा के राहगीरों और दुकानदारों को ठंडा पानी मिलेगा।

सुआ बाबा मंदिर के पास लगा खराब वॉटर कूलर

अयोध्या में ई-रिक्शा और ऑटो रिक्शा के खिलाफ सख्त अभियान शुरू

आरटीओ व पुलिस ने चलाया संयुक्त अभियान,22 ई रिक्शा सीज

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। मुख्यमंत्री के आदेश पर आरटीओ विभाग और यातायात पुलिस ने संयुक्त रूप से ई-रिक्शा और ऑटो रिक्शा के खिलाफ सख्त अभियान की शुरुआत की। सोमवार को रामपथ के उदया चौराहे और पुष्पराज चौराहे से इस विशेष अभियान की औपचारिक शुरुआत की गई।

अभियान के दौरान अधिकारियों ने किराया सूची, वाहन फिटनेस और नाबालिग ड्राइवरों की जांच के लिए सड़कों पर उतरकर कार्रवाई की। रामपथ पर इस अभियान का नेतृत्व एसपी यातायात एपी सिंह, आरटीओ प्रवर्तन विश्वजीत सिंह और एआरटीओ आरपी सिंह ने किया।

अधिकारियों ने अवैध ई-रिक्शा और ऑटो रिक्शा को जब्त करने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है।

यह अभियान 1 अप्रैल से 30 अप्रैल तक लगातार जारी रहेगा, जिसके तहत शहर में अवैध वाहनों पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। अभियान के तहत 22 ई रिक्शा सीज किये गए है।

यातायात सुधार और सड़कों पर अनियमितताओं को रोकने के उद्देश्य से

शुरू किए गए इस अभियान को लेकर स्थानीय प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। एसपी ट्रैफिक का कहना है कि यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाने और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए इस तरह की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

अयोध्या में साधू की हत्या या आत्महत्या में उलझी पुलिस

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या । दर्शन नगर पुलिस चौकी से महज 500 मीटर की दूरी पर एक बाग में एक साधू का शव संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी के फंदे से लटका मिला। शव की अब तक पहचान नहीं हो पाई है।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है, जिससे मौत के सही कारणों का पता लगाया जा सके। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है और मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है।प्रशासन इस घटना को गंभीरता से ले रहा है और पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही मामले की सच्चाई सामने आएगी।

रस्सी से इस तरह लटका मिला शव

गरीब परिवारों के उत्थान के लिए संकल्पित है योगी सरकार

» उत्तर प्रदेश शासन के मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह पहुंचे बाराबंकी जिले के शिवराजपुर मजरे मझगवा

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

सूरतगंज (बाराबंकी)। जीरो पॉवर्टी योजना के तहत गरीब परिवारों का उत्थान करने के लिए सरकार संकल्पित है। जिसके तहत गरीबों को छत, आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं और रोजगार से जोड़ने का काम सरकार लगातार कर रही है। महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए शिक्षा में सहूलियत, सरकारी नौकरी में आरक्षण और राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा महिलाओं को ताकतवर बनाने का काम वृहद स्तर पर चल रहा है। उक्त बाते सोमवार दोपहर ब्लॉक सूरतगंज इलाके के शिवराजपुर मजरे मझगवा पहुंचे उत्तर प्रदेश शासन के मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने व्यक्त किया। मुख्य सचिव श्री सिंह ने शिवराजपुर में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा समूह की दीदियों के बायोफ्लॉक विधि से मछली पालन कर रही महिलाओं के उत्साहवर्धन के लिए पहुंचे। मुख्य सचिव को पुलिस के जवानों ने सलामी दी। मुख्य सचिव का बाराबंकी डीएम शशांक त्रिपाठी, सीडीओ अ.शुदन व पुलिस कप्तान दिनेश कुमार सिंह ने पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया।

समूह की दीदियों की अगुवाई कर रही गीता देवी सहित अन्य समूह की दीदियों से टैंक में पल रही बायोफ्लाक विधि से मछलियों की जानकारी लेने के लिए मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने झोपड़पट्टी में घुसकर मछलियों को ऑक्सीजन,भोजन और गंदगी से बचाव की जानकारी ली।

समूह की दीदियों ने एक-एक कर जिसका जवाब दिया।

दीदियों ने बताया कि मौके पर मछली पालन के 10 टैंक तैयार हैं।

मछली पालन की इस विधि से 7 से 8 महीने में एक टैंक में लगात करीब 65 से 70 हजार आती है जिसमें 35 से 40 हजार रूपये बचत होती है।

दीदियों ने बताया कि अभी तक जो टैंक में मछलियां पली हैं वह सभी सिंह प्रजाति की मछली हैं,एक टैंक में 12 से 15 कुंतल पानी है।

मुख्य सचिव ने समूह की दीदियों को नेचर फूड प्रोडक्ट द्वारा अनुबंध प्रमाण पत्र सौंपा जिसमें गुड़िया देवी, अनीता देवी, सुनीता सिंह, सरोज कुमारी, काजल ,रेनू देवी सहित दर्जनों महिलाओं को अनुबंध प्रमाण पत्र दिया गया।

समूह की महिलाओं द्वारा मछली पालन की पहल को मुख्य सचिव के साथ-साथ बाराबंकी जिला अधिकारी शशांक त्रिपाठी,सीडीओ अ.सुदन ने भी खूब सराहा।

इस दौरान डाक्टर कृष्णा, फतेहपुर एसडीएम कार्तिकेय सिंह, सीओ जागतराम कनौजिया,सूरतगंज बीडीओ देवेंद्र प्रताप सिंह, फतेहपुर बीडीओ संतोष सिंह, जेई एमआई लालमणि यादव,ग्राम विकास अधिकारी आशुतोष कुमार रावत, रविंद्र कुमार, ग्राम पंचायत अधिकारी पुष्पा मिश्रा,टेक्नीशियन प्रेमधारी, आंध्र प्रेरक स्वच्छ भारत मिशन रमाकांत पाल, सहायक बोरिंग टेक्नीशियन विकास मिश्रा,तकनीकी सहायक अभिषेक कुमार,प्रधान प्रतिनिधि राकेश यादव,प्रधान प्रतिनिधि प्रेम कुमार सहित सैकड़ो महिला पुरुष मौजूद रहे।

शराब ठेके से परेशान ग्रामीणों ने डीएम से लगाई गुहार

» ग्राम प्रधान गौरव सिंह के नेतृत्व में महिलाओं ने किया प्रदर्शन

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

हैदरगढ़ (बाराबंकी)। विकास खंड हैदरगढ़ के ग्राम पंचायत चौबीसी के पदुमपुर गांव के लोग शराब ठेके से परेशान हैं।

ग्रामीणों ने ग्राम प्रधान गौरव सिंह के नेतृत्व में प्रदर्शन कर विरोध जताया और जिलाधिकारी को पत्र लिखकर ठेका को हटाए जाने की मांग की है।प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों का कहना है कि शराब ठेके से महज 100 मीटर की दूरी पर स्कूल है।वहीं 50 मीटर दूर मंदिर स्थित है। शराब पीकर लोग गाली-गलौज करते हैं और झगड़े करते हैं। इससे आसपास के लोगों को परेशानी होती है।

नवरात्रि के दौरान महिलाएं मंदिर जाने से डरती हैं। स्कूली बच्चों को भी इसी रास्ते से आना-जाना पड़ता है।

विरोध प्रदर्शन में दिलीप दीक्षित, सौरभ दीक्षित, राजेश कुमार, रामनरेश, रामलाल, राजू, धर्मराज, रामकुमार, सीमा दीक्षित, प्रीति दीक्षित, पार्वती, मायावती, उर्मिला दीक्षित, मंजू, रामदुलारी, सुख राजा सहित सैकड़ों पुरुष व महिलाएं शामिल हुए।

सीएम योगी ने स्कूल चलो अभियान का किया शुभारंभ, प्रदेश को 2554 एंबुलेंस की सौगात

932 करोड़ रुपये की 132 योजनाओं का लोकार्पण, मुख्यमंत्री उद्यमी योजना के लाभार्थियों को चेक

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बरेली। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को बरेली में स्कूल चलो अभियान का शुभारंभ किया। बरेली कॉलेज मैदान में आयोजित कार्यक्रम के मंच पर उन्होंने स्कूली बच्चों को किताबें और किट बांटी। इसके बाद मुख्यमंत्री ने बटन दबाकर जिले की 932 करोड़ रुपये की 132 योजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री उद्यमी योजना के तहत लाभार्थियों को चेक दिए। दरोगा, सिपाहियों को स्मार्ट पुलिसिंग के लिए टैबलेट बांटे। बेहतर कार्य करने वाले उप निरीक्षक बदायूं को सम्मानित किया। इसके अलावा अत्याधुनिक जीवन रक्षक सुविधाओं से लैस 2,554 नई एंबुलेंस के फ्लैग ऑफ कर रवाना भी किया गया।

सीएम योगी ने प्रदेशवासियों से आह्वान किया कि शिक्षा से कोई बच्चों छूटने न पाए। हम सबको स्कूल चलो अभियान से जुड़ना होगा। ये केवल सरकार की जिम्मदारी नहीं, समाज को भी अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी। अगर कोई बच्चा अशिक्षित रह जाता है तो ये समाज, राष्ट्र व परिवार के लिए चुनौती है।

मुख्यमंत्री योगी मंगलवार को सुबह करीब साढ़े 11 बजे बरेली कॉलेज मैदान में पहुंचे। पशुधन विकास मंत्री धर्मपाल सिंह और वन मंत्री डॉ. अरुण कुमार ने उनका स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने हाथ जोड़कर जनता का अभिवादन स्वीकार किया। मंच पर वनमंत्री अरुण सक्सेना ने नारा लगाया कि योगी जी आप सब पर भारी, अयोध्या, वाराणसी के बाद मथुरा की बारी। वनमंत्री ने सरकार के कार्यों को गिनाते हुए युवाओं से कहा कि नौकरी देने वाला बनो।

» स्कूली बच्चों को किताबें और किट बांटी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, ये निराश्रित गोवंश समाजवादी पार्टी ने दिये हैं और इसलिए इन्होंने गायों को लावारिस छोड़ दिया था। देखिये ना, समाजवादी पार्टी के मुखिया क्या कहते हैं कि मुझे गोबर से दुर्गंध आती है। समाजवादी पार्टी के लोग जो गौकशी करवाते थे, गौ तस्करों और कसाइयों के साथ जिनके संबंध थे, वे गौ माता की सेवा करना क्या जानें। उन्हें तो गौ माता के गोबर में दुर्गंध ही मिलेगी। उन्हें अपने कृत्यों में दुर्गंध नजर नहीं आती है। उन्हें गौ माता की सेवा में दुर्गंध नजर आती है और इसलिए उनके अध्यक्ष के मुंह से यह बात निकल ही गई।

आदित्यनाथ ने कहा ने आगे कहा कि इनकी असलियत यही है जो गौ माता को कसाइयों के हवाले करते थे। हमने कसाइयों को जब जहन्नुम की यात्रा में भेजा तो इनको परेशानी हुई। दरअसल सीएम ने सपा प्रमुख द्वारा हाल ही में दिए गए बयान पर को लेकर टिप्पणी की है। अखिलेश यादव ने कन्नौज में कहा था, ये जो भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के लोग हैं, उनकी नफरत की दुर्गंध है। मैं तो कन्नौज के सुगंध वाले लोगों से कहूंगा कि भारतीय जनता पार्टी की इस दुर्गंध को हटाएं। आप बताइए यह दुर्गंध पसंद करते हैं इसीलिए गौशाला बना रहे हैं।

निराश्रित गोवंशीय पशु पालन पर सरकार देगी 1500 रुपये

मुख्यमंत्री ने कहा कि अब निराश्रित गोवंशीय पशु को पालने पर सरकार 1500 रुपये प्रति पशु के हिसाब से उपलब्ध करायेगी। उन्होंने कहा, ÷आम के आम और गुठलियों के भी दाम, इसी को कहते हैं। यानी गौ माता की सेवा का पुण्य भी पाओ और सरकार से अनुदान भी पाओ।÷

अजमेर: केमिकल फैक्ट्री में नाइट्रेट गैस का रिसाव

मालिक समेत तीन की मौत, 50 से ज्यादा बीमार

» अजमेर, एजेंसी।

राजस्थान के ब्यावर में रसायन कारखाने में खड़े एक टैंकर से हानिकारक गैस का रिसाव होने पर इसकी चपेट में आकर फैक्टरी के मालिक समेत तीन लोगों की मौत हो गई। गैस के प्रभाव से तबीयत खराब होने पर 50 से अधिक लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जिला कलेक्टर महेन्द्र खड़गावत ने बताया कि सोमवार देर रात रिहायशी इलाके में स्थित कारखाने में गैस रिसाव हुआ जिसके कारण 53 लोग बीमार हो गए। उन्होंने बताया कि कारखाने के मालिक और दो अन्य की मौत हो गई है। उन्होंने कहा कि यह कारखाना अवैध रूप से चल रहा था। उन्होंने कहा कि हालात पर जल्द ही काबू पा लिया गया।

जिला पुलिस अधीक्षक श्याम सिंह ने बताया कि गैस रिसाव की घटना देर रात बाड़िया इलाके में स्थित एक कारखाने में हुई, जिसके कारण आसपास के कई लोग इससे प्रभावित हो गए और उन्हें अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराना पड़ा। कारखाने के मालिक सुनील सिंघल (47) की सोमवार रात में मौत हो गई, जबकि दयाराम (52) और नरेंद्र सोलंकी की मंगलवार को मौत हो गई। एक अन्य अधिकारी ने बताया कि इलाके के प्रभावित लोगों ने उल्टी, सीने में भारीपन और सांस लेने में तकलीफ की शिकायत की और उन्हें स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया।

उन्होंने कहा कि दो लोगों की हालत गंभीर है जिनका अजमेर के जेएलएन अस्पताल में इलाज किया जा रहा है। अधिकारी ने बताया कि फैक्टरी के आसपास के इलाके को खाली करा दिया गया है। यह कारखाना रिहायशी इलाके में चल रहा था। जिला कलेक्टर ने बिना अनुमति के चल रहे कारखानों का सर्वेक्षण करने के लिए नगर परिषद, राजस्व विभाग और पुलिस के अधिकारियों की समिति गठित करने के निर्देश दिए हैं।

हादसे में कई पालतू और आवारा पशुओं की भी मौत हो गई। मरने वाला व्यक्ति फैक्ट्री मालिक सुनील सिंघल था, जिसने रात भर गैस रिसाव को नियंत्रित करने का प्रयास किया, लेकिन इसके प्रभाव से उसकी मौत हो गई। उसकी तबीयत बिगड़ने पर उसे अजमेर के एक अस्पताल में रेफर किया गया, जहां बाद में उसकी मौत हो गई।

सूत्रों के अनुसार, कंपनी के गोदाम में रखे एक टैंकर से नाइट्रोजन गैस लीक हुई। रिसाव इतना भीषण था कि कुछ ही सेकंड में गैस आसपास के रिहायशी इलाकों में फैल गई, जिससे घरों के अंदर मौजूद लोग प्रभावित हुए। कई निवासियों को घुटन और आंखों में जलन का अनुभव हुआ, जिसके कारण 60 से अधिक लोगों को इलाज के लिए ब्यावर के सरकारी और निजी अस्पतालों में ले जाया गया। सूचना मिलने पर पुलिस, डीएम, एसपी समेत प्रशासनिक अधिकारियों और दमकल टीमों ने रात करीब 11 बजे गैस रिसाव पर काबू पा लिया।

बुलडोजर एक्शन ने हमारी अंतरात्मा तक हिला दी: सुप्रीम कोर्ट

यूपी सरकार के अफसरों को कड़ी फटकार

» कार्यालय संवाददाता, स्वराज इंडिया।

प्रयागराज। सुप्रीम कोर्ट ने बुलडोजर एक्शन को लेकर प्रयागराज विकास प्राधिकरण को कड़ी फटकार लगाई है। कोर्ट ने प्राधिकरण (पीडीए) को पांच याचिकाकर्ताओं को 10-10 लाख रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया है। शीर्ष अदालत ने अपनी टिप्पणी में कहा कि अफसरों में संवेदनशीलता नहीं है। ये मकान कानून की प्रक्रिया का पालन किए बगैर गिराए गए थे। इस कार्रवाई ने हमारी अंतरात्मा हिला दी है।

घरों पर बुलडोजर चलने की ये घटना 2021 में हुई थी। सुप्रीम कोर्ट ने इसे संविधान के तहत नागरिकों के मूल अधिकार का उल्लंघन माना। कोर्ट ने कहा कि नोटिस देने के 24 घंटे के भीतर घर गिराने की कार्रवाई पूरी तरह से अवैध थी। कोर्ट ने इसे समाज में गलत संदेश फैलाने वाली और कानून के शासन के खिलाफ कार्रवाई करार दिया।

जस्टिस अभय ओका और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की खंडपीठ ने स्पष्ट किया कि मुआवजा प्रभावितों को राहत देने के साथ साथ सरकार को भविष्य में इस तरह की मनमानी रोकने के लिए भी है। फैसले के दौरान कोर्ट ने हाल में वायरल एक वीडियो का हवाला भी दिया। इस वीडियो में बुलडोजर एक्शन के दौरान एक बच्ची अपनी किताबें लेकर ढहती झोपड़ी से भागती दिख रही है। कोर्ट ने इसे अंतरात्मा को झकझोरने वाला करार दिया।

ध्वस्त करने से पहले 15 दिन का नोटिस देना अनिवार्य

कोर्ट ने पहले के दिशा निर्देशों का भी हवाला दिया जिसमें किसी संपत्ति को ध्वस्त करने से पहले 15 दिन का नोटिस देना अनिवार्य है। इसके अलावा सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं को अपने खर्चे पर घर दोबारा बनाने की अनुमति दी लेकिन कहा कि अगर उनकी अपील खारिज होती है तो उन्हें निर्माण हटाना होगा। यह मामला वर्ष 2021 का है। प्रयागराज के लूकरगंज क्षेत्र के नजूल प्लॉट नंबर 19 में कुछ मकानों को अवैध निर्माण बताकर पीडीए ने बुलडोजर चलाया था।